[Shri Kamalnath]

has been selected in an *ad-hoc* manner and gives rise to suspicion. Some players have been selected without considering their performance; performance is a matter of record, for everyone's score and bowling analysis are recorded in the score books. Players who had consistent record with either bat or ball have been overlooked. I strongly believe that the Cricket Control Board in general and the Selection Committee in particular owes it not only to the players but also to the nation to explain in clear terms the criteria for the selection.

The Education Ministry should direct the Cricket Control Board to announce the basis on which the selection has been made. The Board should have no hesitation in announcing the basis and strategy used for selection of the Cricket Team if the selection is free and fair. Pending this the Government should withhold the release of foreign exchange for the impending tour and also have the whole matter reviewed directly by a Special Committee of Criketers to be set up.

(vii) NEED FOR TAKING STEPS TO IMPROVE FUNCTIONING OF TELEPHONE SERVICES IN ASANSOL-RANIGANJ DURGAPUR AREA

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER (Durgapur): Sir, I appreciate the ready-made answer given by the hon. Minister of Parliamentary Affairs regarding the matter under rule 377 by Mr. H. K. L. Bhagat. Here my friend, Mr. Makwana is sitting. He will react to my matter being raised under Rule 377, just now.

MR. DEPUTY-SPEAKER: If he comes with a reply, I will not stop.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: I want to mention the following matter under Rule 377.

I am drawing the attention of the House towards the telephone services in Asansol-Raniganj-Durgapur industrial belt area. It is unfortunate that inspite of several representations made by the Members of Parliament including myself and eminent persons of that area, the telephone services are deteriorating day by day in that area. There is no improvement in the telephone services. The group dialling and STD services have also collapsed and the trunk services are becoming undependable.

Under these circumstances, I urge upon the Government to take immediate steps to improve the functioning of the telephone services of Asansol-Raniganj-Durgapur area without any further delay and restore the group dialling and STD services so that the people of this area could get some relief.

I also demand that the Minister concerned make a statement in the House indicating the steps taken by the Government in this regard.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Sir. Mr. Makwana is here.

MR. DEPUTY-SPEAKER: He may reply at the time of Demand for Grants for the Ministry of Communications, which is going on.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: Why there is a discrimination against the Opposition Member?

MR. DEPUTY-SPEAKER: No, no. When Mr. Rajda raised the issue, the Minister also immediately replied.

SHRI KRISHNA CHANDRA HALDER: There is one information. I am also a Member of the Opposition.

MR. DEPUTY-SPEAKER: It has been noted by Mr. Yogendra Makwana. When he replies, you must be in the House;

(viii) RELIEF MEASURES FOR THE HAILSTORM AFECTED FARMERS OF CERTAIN BLOCKS IN FATEHPUR DISTRICT OF UP

श्री बी० डी० सिंह (फूलपुर): माननीय उपाध्यक्ष महोदय उत्तर प्रदेश

में फतेहपुर जनपद के धाता एवं विजयीपुर विकास क्षेत्रों में लगभग सौ गांवों के किसान मजदूर बुरी तरह प्राकृतिक प्रकोप के शिकार हुए हैं। गत 23–24 मार्च की रात्रि में इस क्षेत्र में भयंकर रूप से उपलवृष्टि हुई है जिस के कारण रबी की तमाम तैयार फसल नष्ट हो गई है। कुछ गांवों में तो फसलें पूर्ण रूप से नष्ट हो गई हैं। मैं 10 अप्रैल को उस क्षेत्र में गया था और प्रकृति की विनाश लीला को देखा था। उस क्षेत्र के किसान विशष कर लघु सीमांत किसान तथा कृषि श्रमिक अधिक भयाक्रांत तथा पीड़ित दिखाई पड़े। उनके समक्ष जीवन यापन की समस्या उपन्न हो गई है जो भूमिहीन श्रमिक इस मौसम में फसलों की कटाई से कुछ आय कर लेते थे. उन के समक्ष बुभूक्षा की समस्या आसन्न है। इन परिस्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए मेरा सरकार से साग्रह अनुरोध है कि उस क्षेत्र में अधोलिखित राहत काय तत्काल प्रारम्भ किए जाएं :—

1. ग्रामीण पुनिमाण योजना को प्रभावी किया जाए उसके तथा अन्तर्गत सड़कों का निर्माण तालाबों का उत्खनन, वृक्षारोपण तथा तत्संबंधी कार्य तत्काल प्रारंभ किए जायें जिस से श्रमिकों को जीविकोपार्जन का आधार मिल सके।

2. कृषकों द्वारा देय समस्त भुगतान जैसे लगान सहकारी समितियों द्वारा खाद, बीज, नकदी आदि ऋण, सिचाई विद्युत संबंधी व्यय आदि स्थिति ही नहीं, वरन पूर्ण रूप से माफ किया जाए।

3. छोटे किसानों को फसल-क्षति के आधार पर आर्थिक सहायता प्रदान की जाये।

4. केन्द्रीय सरकार को प्रान्तीय सरकारों के साथ विचार विमर्श कर के फसलों तथा पशुओं की बीमा-योजना को क्रियान्वित करने की दिशा में उपाय करना चाहिए, जिस से प्राकृतिक आपदाओं के समय किसानों को कुछ राहत मिल सके।

(ix) NEED FOR STRINGENT LEGISLATION TO PREVENT CRUELTY TO ANIMALS

श्री राम लाल राही (मिसरिख) : उपाध्यक्ष महोदय, आदिकाल से ही मनुष्य और पशुओं का निकट का सहयोग और संबंध रहा है। कृषि प्रधान देश भारत में जो आदिकाल से अन्न उत्पादन के क्षेत्र में पशुओं की ही महत्वपूर्ण भुमिका रही है। आज भी हमारे गांव में 99 प्रतिशत से भी अधिक किसान कृषि कार्य में पशुओं पर ही निर्भर करते हैं। दुधारू पशु मानवमात्र और जन स्वास्थ्य के लिए वरदान हैं। हिन्दू धर्मावलम्बी तो पशु अर्थात् गऊ को गौ माता के नाम से पुकारते हैं और उसकी पूजा करते हैं। पशु को मारना, कष्ट देना पाप माना जाता है।

जहां पशु मानव के लिए सहयोगी के रूप में पूज्यनीय रहा है। अनेक लोगों ने पशु के मांस से अपनी क्षुधा बुझाने, उसके खाल से शरीर को ढकने तथा हड्डियों तक को उपयोग में लाता है। कहने का तात्पर्य मरणोपरान्त भी पशु का हाड़-मास, चाम मनुष्य के उपयोग में आता है। इधर कुछ वर्षों से शनै शनै पशुओं का विनाश और उसके प्रति क्रूरता बढ़ रही है। जंगली पशु और जानवर तो सामन्त लोगों के शिकार के नाम से क्रीडा का साधन बन गए हैं। क्रूरता